वन्दौ चरण कमल रघुनन्दन

वन्दौ चरण कमल रघुनन्दन
वन्दौ चरण कमल रघुनन्दन

जिनकी कृपा सकल सुख सम्पति
पद पावन भाक्तं उर चन्दन

अवधपुरी प्रभु नित्य विराजत
जनक सुता युत दुष्ट निकंदन

तीन ताप अरु जन्म मरण भयो
दूर करात क्षण में जन रांजण

दास नवत शरनन: में भगवन
कृपा करहो सेवक भय भांजन

वन्दौ चरण कमल रघुनन्दन
वन्दौ चरण कमल रघुनन्दन